कर्णाभरण ।

अर्थात्

केवल दोहा छन्दो बद्ध लक्ष्य लक्षण सहित
अलंकार वर्णन ।

गोविन्दकविकृत

जिसको डुमराँव निवासी नकछेदी तिवारी ने सत
कविजनों के चित्तविनोदार्थ प्रकाशित किया ।

यह पुस्तक भारतजीवन प्रेस के अधिकार
में छपी और उसी प्रेस में मिलैगी ।

काशी ।

भारतजीवन प्रेस में मुद्रित हुआ ।

सन् १८९४ ई० ।

प्रथम बार १०००]   [मूल्य ।)